जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 34 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 4 दिसम्बर, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पूरे अमेरिका में हिरणों की आबादी में एक घातक क्रॉनिक ''वैस्टिंग डिज़ीज़'' पनप रही है। वन्यजीव अधिकारी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि यह बीमारी ना फैले, पर हाल ही में यह बीमारी नॉर्थ कैरोलाइना के हिरणों में भी देखी गई। राज्य के जीव वैज्ञानिकों के अनुसार क्रॉनिक वेस्टिंग डिज़ीज़ से पीड़ित हिरणों में मृत्युदर 100 प्रतिशत है। इस रोग के मुख्य लक्षण हैं, वजन गिरना, सुस्त हो जाना और लड़खड़ाना। शिकारियों ने इस बीमारी और हिरणों पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंता जताई है। यहाँ की याकडिन और सरी काउंटी में तीन हिरणों में इस बीमारी के लक्षण मिले हैं। विशेषज्ञों ने क्षेत्र में व्यापक जांच की आवश्यकता बताई है। नॉर्थ कैरोलाइना वाइल्डलाइफ रिसोर्सेज़ कमीशन ने मार्च में पहला केस मिलने के बाद राज्य भर में टैस्टिंग शुरु कर दी थी। वैज्ञानिकों को टैस्ट के लिए हिरण के लिम्फ नोड्स (लसिका गांठ) के सैम्पल लेने पड़ते हैं। इसके लिए वे क्षेत्र के शिकारियों व मीट प्रोसैसर्स से मदद ले रहे हैं। शोधकर्ताओं ने जगह -जगह पर फ्रीज़र्स रखवाए हैं ताकि शिकारी व अन्य लोग उसमें सैम्पल रख दें। सैंटर फॉर डिज़ीज़ के अनुसार इस रोग से ना केवल हिरण बल्कि एल्क, सिका डियर, रेनडियर और मूज़ भी प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिका व कैनेडा के अलावा नॉर्वे और दक्षिण कोरिया के हिरणों में भी इस बीमारी के लक्षण मिले हैं। नॉर्थ कैरोलाइना के वन्यजीव वैज्ञानिक डैनी रे कहते हैं कि, टैस्टिंग का लक्ष्य यह है कि बीमारी को फैलने से रोका जाए। रे ने कहा कि उनकी टीम कोशिश कर रही है कि लोग प्रभावित क्षेत्र से हिरणों को दूर ना भगाएं और उनके अंगों को ना हटाएं ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमैंट ऑफ हैल्थ के अनुसार अभी ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि शिकार के कारण क्रॉनिक वेस्टिंग डिज़ीज़ के संक्रमण का खतरा बढ़ा है। पर उन्होंने शिकारियों को चेतावनी दी है कि, किसी भी जानवर के साथ डील करते समय सावधानी रखी जाए।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सख्त टिप्पणी की ''जूडिशीएरी'' व सरकार के बीच चल रहे संघर्ष पर

'जनता की आवाज के प्रतीक संसद द्वारा पारित प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द करना गंभीर घटना है, जिसका विश्व में कहीं भी दूसरा उदाहरण नहीं है'

- धनखड़, संसद द्वारा पारित नैशनल ज्यूडिशिअल अपॉइन्टमैंट कमिशन विधेयक का जिक्र कर रहे थे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर रद्द कर दिया था।
- यह सख्त टिप्पणी, एल.एम. सिंघवी मैमोरियल व्याख्यान समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने मुख्य न्यायाधीश चन्द्रचूड़ की मौजूदगी में मंच से की।
- धनखड़ के अनुसार, इस संविधान संशोधन विधेयक को, लोकसभा व राज्यसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था।
- धनखड़ ने यह भी कहा कि, जनता के सोच व आवाज को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द करने के गंभीर मुद्दे पर संसद ने चुप्पी कैसे साध ली, यह एक आश्चर्यजनक बात है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच चल रही सर्वोच्चता की लड़ाई में शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी कूद पड़े और बोले कि सुप्रीम कोर्ट के जब नैशनल जूडिशियल अपॉइन्टमैंट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) एक्ट पर रोक लगाई तब संसद में कोई चर्चा तक नहीं हुई थी।

उपराष्ट्रपति ने इसे बहुत गंभीर माना और कहा कि संसद द्वारा पारित कानून, जो जनता की इच्छा को अभिव्यक्त करता है, को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज कर देने जैसी घटना विश्व में कहीं नहीं होती है।

अभी तक केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजीजू ही प्रधानमंत्री की सोच को दर्शाते हुए आए दिन कोलीजियम के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे और अब उपराष्ट्रपति भी इसमें कूद पड़े हैं। यह गंभीर मसला है क्योंकि यह आपत्ति एवं संवैधानिक अथॉरिटी की तरफ से आई है? यह स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार ने कोलीजियम मसले पर संघर्ष तेज करने का मानस बना लिया है और संविधान के दो स्तम्भो के बीच तीखी लड़ाई देखने को मिल सकती है।

उपराष्ट्रपति ने सी.जे.आई. (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया) डी. वाय चन्द्रचूड़ की मौजूदगी में कहा कि यह कही नहीं कहता कि एक प्रस्ताव ध्वस्त हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कानून का महत्वपूर्ण विषय हो तो उसको कोर्ट देख सकता है उन्होंने संविधान के प्रावधानों का हवाला दिया।

दिल्ली में एल.एम. सिंघवी स्मृति व्याख्यान में उपराष्ट्रपति संविधान की प्रस्तावना का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें लिखा है ''हम भारत के लोग'' और संसद जनता की इच्छा को दर्शाती है इसका अर्थ है कि सत्ता जनता में उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान सीमा पर भारत जोड़ो यात्रा की अगवानी करेंगे पायलट और डोटासरा

स्टीयरिंग कमेटी की बैठक के कारण मुख्यमंत्री दिल्ली में होंगे, इस अवसर पर। यात्रा के विश्राम के कारण राहुल गांधी भी जाएंगे कमेटी की बैठक में शामिल होने

- राजस्थान का प्रभारी पद छोड़ने की इच्छा जता चुके माकन भी शामिल होंगे स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में।
- इधर पायलट ने वीडियो जारी कर भारत जोड़ो यात्रा में लोगों से शामिल होने का आव्हान किया।

जयपुर, 3 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मध्यप्रदेश चरण शनिवार को समाप्त हो गया और रविवार दोपहर तक उनकी यात्रा राजस्थान सीमा में प्रवेश करेगी। जहां पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित मंत्री, विधायक और अन्य नेता अगवानी करेंगे। इसके बाद यात्रा वहीं मध्य प्रदेश राजस्थान सीमा पर एक खेत में विश्राम करेगी।

यात्रा में लोगों को पहुंचने का आ ान करते हुए सचिन पायलट ने एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें वे बच्चों तथा अन्य लोगों के साथ भारत जोड़ो यात्रा लिखी टी-शर्ट पहन कर दौड़ रहे हैं। वीडियो में पायलट सभी से कह रहे हैं कि ''हम भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो रहे हैं, क्या आप भी यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं।'' सचिन पायलट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यात्रा की अगवानी के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मौजूद नहीं होंगे, क्योंकि मुख्यमंत्री दिल्ली में रविवार शाम होने वाली कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली होंगे। वही यात्रा के विश्राम के दौरान राहुल गांधी भी स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में भाग लेने दिल्ली जाएंगे। उनके साथ ही राजस्थान से हरीश चौधरी, रघुवीर मीणा, रघु शर्मा और भंवर जितेंद्र सिंह भी स्टीयरिंग कमिटी बैठक में सम्मिलित होंगे। इसके बाद राहुल गांधी रविवार रात या सोमवार सुबह तक वापस भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ जाएंगे और सोमवार से यात्रा का राजस्थान चरण शुरू हो जाएगा।

नवनिर्वाचित कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस की स्टीयरिंग कमेटी की पहली बैठक होने जा रही है। इस बैठक में कांग्रेस अधिवेशन बुलाए जाने पर चर्चा संभावित है। इस अधिवेशन के जरिए कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों का निर्वाचन होना है इस निर्वाचन के बाद ही कांग्रेस की कार्यकारिणी का गठन होगा। स्टीयरिंग कमेटी की इस बैठक में राजस्थान के प्रभारी पद छोड़ने की इच्छा जता चुके अजय माकन भी सम्मिलित होंगे माकन द्वारा चिट्ठी लिखे जाने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और माकन का इस बैठक में आमना-सामना होगा।

इधर राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा की अगवानी के लिए मंत्री, विधायकों सहित सभी नेता शनिवार देर रात तक झालावाड़ पहुंच चुके हैं। जिन मंत्रियों को विभिन्न कमेटियों की जिम्मेदारी दी गई है, उन्होंने भी वहां पहुंच कर व्यवस्थाओं को संभाल लिया है।

'रीट पेपर लीक जांच सी.बी.आई. को दी जाए'

- पूर्व शिक्षा मंत्री और मौजूदा विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा कि, रीट पेपर लीक हुए एक साल हो गया है, अब पता चला है कि आर.पी.एस.सी. के उप सचिव ने इसमें पास कराने के 30 लाख रू. मांगे थे, अगर सी.बी.आई. को जांच सौंपी जाए तो और भी बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

अजमेर, 3 दिसम्बर (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) के पेपर लीक मामले में केवल लीपापोती की। एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) की जांच कहां तक पहुंची, यह आज तक किसी को भी पता नहीं है।

अब राजस्थान लोक सेवा आयोग के उप सचिव सत्यनारायण शर्मा द्वारा रीट में पास कराने की एवज में तीस लाख रूपए लेने का ताजा मामला सामने आया है, जिससे यह संदेह होता है कि रीट प्रकरण में कई लोग जुड़े हुए हैं।

देवनानी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जब तक रीट कराने वाली एजेंसी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डी.पी. जारोली और अन्य लोगों के राजनीतिक संरक्षण की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़राइल के राजदूत ट्रोल हुए

- भारतीय ट्रोल्स ने हिटलर को महान बताया और कहा कि, उसने यहूदियों का संहार करके सही किया था।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। इसे भारतीय फिल्म कश्मीर फाइल्स पर इज़राइल के फिल्म निर्माता नादाव लापिड की टिप्पणियों पर जवाबी हमले के रूप में देखा जा रहा है। भारत में इज़राइल के राजदूत नाओक गिल्सन सोशल मीडिया पर ट्रोल आर्मी का निशाना बने। ट्रोल्स में एडोल्फ हिटलर को एक महान व्यक्ति बताते हुए यहूदियों के संहार का समर्थन किया गया।

लेकिन विडम्बना यह है कि गिल लापिड की टिप्पणियों की ट्विटर पर तुरन्त प्रभाव से भर्त्सना करते हुए गिल्सन ने लिखा कि लापिड ने जजों के पैनल की अध्यक्षता के भारतीय आमंत्रण का सबसे बुरे अंदाज में निरादर किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि भगवान के समान होता है। आपने आई.एफ.एफ.आई. गोवा में जजों के पैनल की अध्यक्षता के भारतीय आमंत्रण के साथ ही उनके उस विश्वास, आदरभाव और अतिथि सत्कार को भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज दिल्ली निगम के चुनाव

दिल्ली की तीन नगर निगमों को एकीकृत करने के बाद यह पहला चुनाव है

- चुनाव में भाजपा, कांग्रेस को अपना मुख्य प्रतिद्वंदी मान रही है, न की आप को।
- भारी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है मतदान के दिन। ड्रोन का इस्तेमाल होगा, भीड़ पर निगाह रखने के लिये।
- मतदान की पूर्व संध्या पर प्रशासन ने हथियारों की सप्लाई करने वाले संगठित माफिया के सरगना को सप्लाई के साथ गिरफ्तार किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। रविवार को होने जा रहे दिल्ली नगर निगम के चुनावों में तीन पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर है। हालांकि तीनों नगरपालिकाओं, जिनका अब एक में विलय हो चुका है, पर शासन करने वाली भाजपा इस बार अपनी जीत को लेकर संशय में है।

दिल्ली विधानसभा में बहुमत प्राप्त आम आदमी पार्टी (आप) और पहले दिल्ली पर राज कर चुकी कांग्रेस, दोनों ही सत्ता हथियाने के भरसक प्रयत्न कर रहे हैं। भाजपा को आप के बजाए कांग्रेस से खतरा अधिक महसूस हो रहा है। सभी अपनी जीत को लेकर आशान्वित हैं।

नगर निगम चुनावों के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है।

दिल्ली पुलिस ने रविवार को चुनाव ड्यूटी के 40,000 पुलिसकर्मी तैनात किए है। इसके अलावा पड़ौसी राज्यों राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होमगार्ड के 20,000 जवान मांगे गए हैं।

दिल्ली के कुल 13 हजार पोलिंग बूथ बनाए गए है और जिनमें 1.45 करोड़ लोग मतदान करेंगे उन में से 3,000 पोलिंग बूथ संवेदनशील श्रेणी के हैं।

एक अधिकारी ने कहा ''हम किसी भी अज्ञात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।'' केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 108 कम्पनियां और राज्य पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा ताकि चुनाव शांति से निपट जाएं।

उन्होंने कहा कि सारा फोकस मतदान केन्द्रों पर होगा, जिनका चुनावी हिंसा का लम्बा इतिहास रहा है। अधिकारी ने कहा, ''हमने संवदेनशील क्षेत्रों में मजबूत सुरक्षा की है। यहां हम ड्रोन से भी निगरानी करेंगे।'' पता चला है कि हरेक जिले के ज्यादा भीड़ वाले क्षेत्रों में 5-6 ड्रोन से निगरानी की जाएगी। पुलिस ने किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। अधिकारी ने बताया, ऐसे अवसरों पर दिल्ली पुलिस चौकसी बढ़ा देती है। हमने अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस कम्युनिटी पुलिस को भी सक्रिय कर दिया है जो पुलिस के आंख, कान होते है। क्षेत्र के लोग अपने क्षेत्र में किसी भी असामाजिक घटना की जानकारी पुलिस को देंगे। शुक्रवार 5 बजे से रविवार तक शराब की बिक्री पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई है और सीमा पार से असामाजिक तत्वों के आगमन या शराब की सप्लाई पर भी निगरानी रखी जा रही है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल ने दिल्ली के एक अन्तर्राष्ट्रीय फायर आर्म्स सिंडीकेट का भंडाफोड किया और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन युद्ध के शीघ्र समाप्त होने की संभावना ध्वस्त हुई

पुतिन ने अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन के वार्ता के प्रस्ताव को अस्वीकार किया

- क्रैमलिन के प्रवक्ता डिमित्री पेस्कोव ने बाइडन के प्रस्ताव के संदर्भ में यह भी कहा कि, पुतिन विचारों के आदान-प्रदान के बारे में खुला दिमाग रखते हैं, अगर इस विचार-विमर्श में रूस के राष्ट्रीय हितों को कोई खतरा न पहुंचे।
- जर्मनी के चांसलर सोल्स के फोन करने पर पुतिन ने एक घंटे टेलीफोन से बात की और कहा कि, पश्चिमी देश अपनी वित्तीय व सैन्य सामग्री यूक्रेन को देकर एक विध्वंसकारी रूख अपनाये हुए हैं। और यूक्रेन द्वारा रूस की सीमा के अंदर की जा रही गोलाबारी के कारण, अब यह जायज हो गया है कि, रूस यूक्रेन की बिजली, पानी के आधारभूत ढांचे पर बम वर्षा करे।
- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका के पुराने सैक्रेटरी ऑफ स्टेट, जान केरी का नाम लेकर कहा, ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है, क्योंकि वे पहले भी कई बार बातचीत से इस तरह की कई समस्याएं सुझला चुके हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। रूस-यूक्रेन विवाद के जल्दी समाधान में लगे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले एवं युद्ध से थक चुके पश्चिमी देशों को पुतिन की तबियत खराब होने की अफवाहों के बावजूद एक झटका लगा है। क्रैमलिन ने यह जता दिया है कि यूक्रेन में उसके इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बार-बार हो रहे हमलों का कठोरता से मुकाबला किए जाने के बावजूद पुतिन के साथ संभावित बातचीत के लिए बाइडन की शर्तों को अनिवार्य नहीं माना जाएगा।

बाइडन ने यह कहते हुए पुतिन को दो तरफा बातचीत का ऑफर दिया था कि यदि वह युद्ध की समाप्ति के इच्छुक हैं तो ऐसा किया जा सकता है।

क्रैमलिन प्रवक्ता दमित्री पेस्कीन ने वाइट हाउस द्वारा दिए गए ऑफर की प्रतिक्रिया में स्पष्ट किया है कि यदि रूस के राष्ट्रीय हितों को खतरा उत्पन्न ना हो तो पुतिन बातचीत के लिए तैयार हैं।

लेकिन वार्ताएं होने की संभावना नहीं है क्योंकि बाइडन की यह मांग कि पुतिन की सेना यूक्रेन से बाहर निकल जाए, रूस को स्वीकार्य नहीं है।

क्रैमलिन द्वारा यूक्रेन में चार क्षेत्रों पर सितम्बर माह में अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था और इसकी अन्तर्राष्ट्रीय निंदा भी हुई थी। इनके संदर्भ में पेस्कोव ने कहा कि ''अमेरिका अब भी रशियन फैडरेशन के नए क्षेत्रों को मान्यता नहीं दे रहा है। इससे परस्पर वार्ता का आधार तलाशने में मुश्किल आ रही है।।

पुतिन ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ सोल्स के साथ शुक्रवार को फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्यवाही का पुरजोर पक्ष लिया। इस कारण वॉशिंगटन के साथ वार्ता निरस्त हो गई। बर्लिन ने कहा कि फोन पर एक घंटे तक हुई बातचीत में जर्मनी के नेता ने पुतिन से अनुरोध किया कि वह इसका कोई कूटनीतिक समाधान ढूंढें जिसमें रूस की सेनाओं को यूक्रेन से जितना जल्दी संभव हो बाहर निकालना शामिल है।

क्रैमलिन ने कहा कि जर्मनी ने ही फोन पर बातचीत की पहल की थी और पुतिन ने बर्लिन से आग्रह किया था कि वह यूक्रेन के घटनाक्रमों के संदर्भ में अपने रूख पर पुनर्विचार करें। क्रैमलिन ने आगे कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने जर्मनी सहित पश्चिमी देशों के विध्वंसक सैन्य विन्यास की ओर ध्यान आकृष्ट किया और कीव ने भी वार्ता के विचार को पूर्ण निरस्त कर दिया।

क्रैमलिन के बयान के अनुसार पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश वित्तीय और सैन्य सहयोग देकर यूक्रेन में विध्वंसक नीतियां अपना रहे हैं और इसी का परिणाम है कि कीव ने वार्ताओं के विचार को निरस्त कर दिया।

पर कई हफ्तों तक रूस के हमलों का समर्थन करते हुए कहा कि ये हमले अधिग्रहित क्रीमिया प्रायद्वीप से रूस को जोड़ने वाले एक अहम ब्रिज सहित रूस पर यूक्रेन के हमलों की एक तर्क संगत प्रतिक्रिया थी।

पुतिन ने इस आरोप को पूर्णतया नकार दिया कि यूक्रेन में एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर रूस के हमलों से वहां के लोग कड़ाके की ठंड में पानी-बिजली से वंचित हो गए। इसको लेकर मॉस्को पर आरोप लगाने में पश्चिमी देश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बाल वाटिका प्री प्राइमरी क्लासेज़'

- राज्य सरकार के 925 महात्मा गांधी इंग्लिश स्कूलों में बाल वाटिका प्री प्राइमरी क्लासेज़ शुरू करने की घोषणा की गई है। कक्षाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी और इसके लिए 15 दिसंबर से आवेदन लिए जाएंगे।

बीकानेर, 3 दिसम्बर (कासं)। राज्य के 925 महात्मा गांधी स्कूलों में इसी शिक्षा सत्र से प्री-प्राइमरी क्लासेज शुरू की जायेंगी। इनमें बीकानेर जिले के 30 स्कूल शामिल हैं। इन क्लासेज़ में एडमिशन के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। प्री-प्राइमरी की कक्षाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी। कार्यक्रम के अनुसार एक दिसम्बर से एडमिशन के लिए विज्ञप्ति जारी की जायेगी। इसके साथ ही दो दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक आवेदन लिए जायेंगे। प्रवेश के लिए मिले आवेदनों की लिस्ट 16 दिसम्बर को